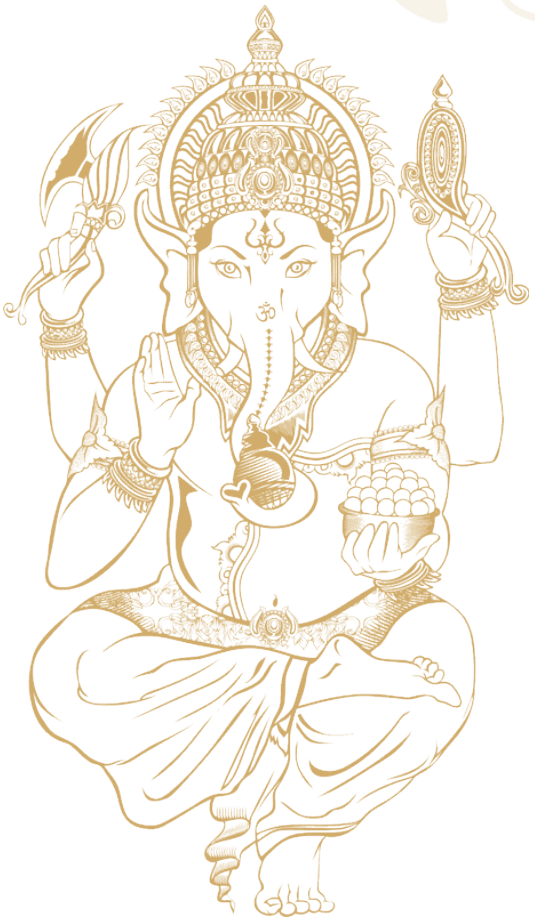

Mr.Rajkumar

21 Oct 2024

05:30 AM

Bhagalpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121641302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20-21/10/2024**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**05:30:00 घंटे**
इष्ट	59:26:47 घटी
स्थान	**Bhagalpur**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:14:00 उत्तर
रेखांश	86:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:17:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:47:56 घंटे
वेलान्तर	00:15:17 घंटे
साम्पातिक काल	07:47:40 घंटे
सूर्योदय	05:43:17 घंटे
सूर्यास्त	17:10:09 घंटे
दिनमान	11:26:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	03:52:50 तुला
लग्न के अंश	00:02:00 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	वरियान
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वू-वुभेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	00:02:00	321:55:00	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
सूर्य			तुला	03:52:50	00:59:39	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	नीच राशि
चंद्र			वृष	22:32:43	14:09:29	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल			कर्क	00:16:27	00:25:59	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	नीच राशि
बुध		अ	तुला	17:03:27	01:31:42	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		वृष	26:54:21	00:02:21	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	09:39:01	01:12:27	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	सम राशि
शनि	व		कुंभ	19:02:58	00:02:33	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		मीन	12:16:33	00:03:11	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
केतु	व		कन्या	12:16:33	00:03:11	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	02:06:34	00:02:07	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	---
नेप	व		मीन	03:31:48	00:01:23	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	05:27:29	00:00:15	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			कर्क	00:46:21	--	पुनर्वसु	--	7	चंद्र	गुरु	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:10

लग्न-चलित

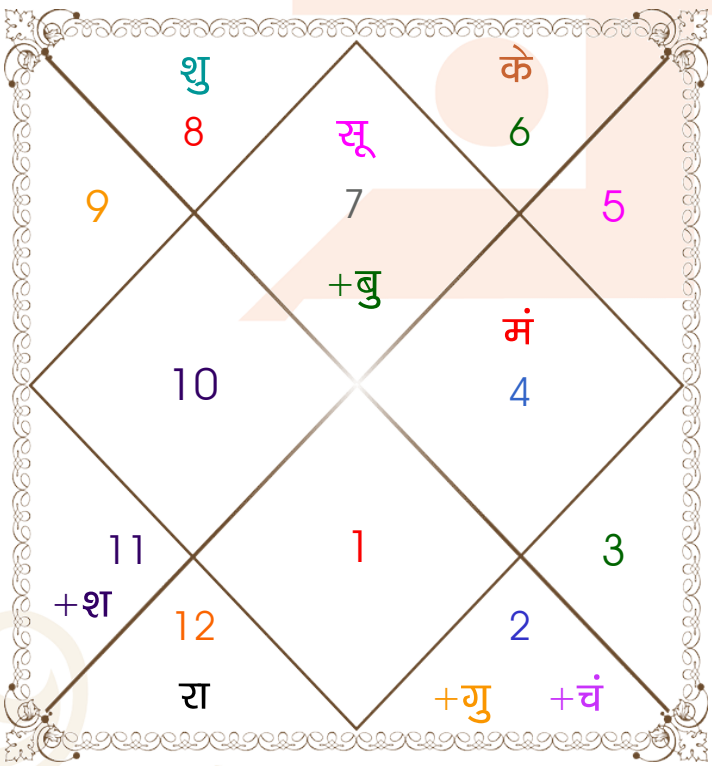

चन्द्र कुंडली

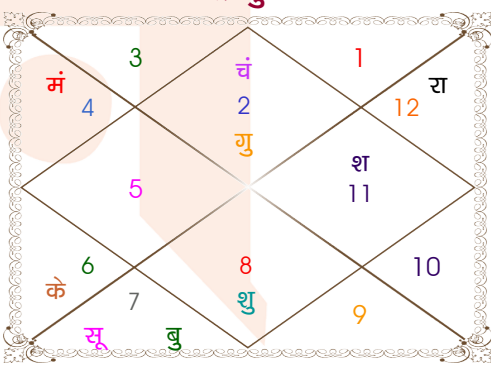

नवमांश कुंडली

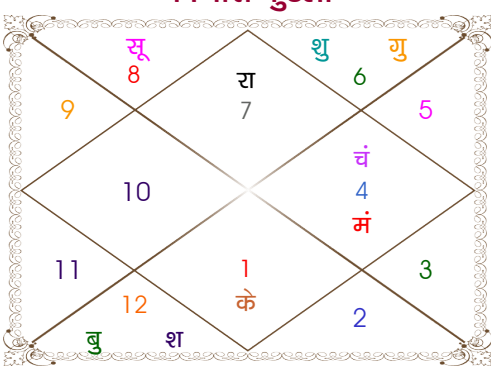

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 0 वर्ष 7 मास 2 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
21/10/2024		25/05/2025		24/05/2032		25/05/2050		25/05/2066	
25/05/2025		24/05/2032		25/05/2050		25/05/2066		25/05/2085	
	00/00/0000	मंगल	21/10/2025	राहु	05/02/2035	गुरु	12/07/2052	शनि	28/05/2069
	00/00/0000	राहु	08/11/2026	गुरु	30/06/2037	शनि	23/01/2055	बुध	05/02/2072
	00/00/0000	गुरु	15/10/2027	शनि	06/05/2040	बुध	30/04/2057	केतु	16/03/2073
	00/00/0000	शनि	23/11/2028	बुध	23/11/2042	केतु	06/04/2058	शुक्र	15/05/2076
	00/00/0000	बुध	20/11/2029	केतु	12/12/2043	शुक्र	05/12/2060	सूर्य	27/04/2077
	00/00/0000	केतु	18/04/2030	शुक्र	12/12/2046	सूर्य	23/09/2061	चंद्र	27/11/2078
	21/10/2024	शुक्र	18/06/2031	सूर्य	05/11/2047	चंद्र	23/01/2063	मंगल	05/01/2080
शुक्र	23/11/2024	सूर्य	24/10/2031	चंद्र	06/05/2049	मंगल	30/12/2063	राहु	11/11/2082
सूर्य	25/05/2025	चंद्र	24/05/2032	मंगल	25/05/2050	राहु	25/05/2066	गुरु	25/05/2085

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
25/05/2085		26/05/2102		26/05/2109		26/05/2129		26/05/2135	
26/05/2102		26/05/2109		26/05/2129		26/05/2135		00/00/0000	
बुध	21/10/2087	केतु	22/10/2102	शुक्र	24/09/2112	सूर्य	12/09/2129	चंद्र	25/03/2136
केतु	17/10/2088	शुक्र	22/12/2103	सूर्य	24/09/2113	चंद्र	14/03/2130	मंगल	25/10/2136
शुक्र	18/08/2091	सूर्य	28/04/2104	चंद्र	26/05/2115	मंगल	20/07/2130	राहु	25/04/2138
सूर्य	24/06/2092	चंद्र	27/11/2104	मंगल	25/07/2116	राहु	13/06/2131	गुरु	25/08/2139
चंद्र	23/11/2093	मंगल	25/04/2105	राहु	26/07/2119	गुरु	01/04/2132	शनि	26/03/2141
मंगल	20/11/2094	राहु	14/05/2106	गुरु	26/03/2122	शनि	14/03/2133	बुध	25/08/2142
राहु	09/06/2097	गुरु	20/04/2107	शनि	26/05/2125	बुध	18/01/2134	केतु	26/03/2143
गुरु	15/09/2099	शनि	28/05/2108	बुध	25/03/2128	केतु	26/05/2134	शुक्र	22/10/2144
शनि	26/05/2102	बुध	26/05/2109	केतु	26/05/2129	शुक्र	26/05/2135		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 0 वर्ष 7 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में उच्चाभिलाषी वर्गानुसार जन्म लग्न तुला के उदय काल हुआ था। तुला नवमांश एवं तुला द्रेष्काण के उदय कालीन प्रभाव वर्गोत्तम दशा में अनेकानेक शुभ संकेतों का सृजन कर रहा है। फलस्वरूप आप आरामदायक, उच्च आनन्द प्रदायक जीवन का प्रसन्नता युक्त सुखपूर्वक समय व्यतीत करेंगे।

यह सुनिश्चित है कि आप अपनी अभिरूचि के अनुसार अपनी जीवन संगिनी अर्थात् अपनी पत्नी का चयन करेंगे। आप कामुक प्राणी है। इस प्रभाव से आप अपना अधिक समय प्रेम-प्रसंग के चिंतन तथा प्रेम संबंध स्थापित करने में व्यतीत करेंगे। आप उच्च स्तर के भावुक प्राणी है। आप अपनी संगिनी को हार्दिक प्यार करते हो तथा अनुग्रहपूर्वक वासनात्मक प्रवृत्ति से व्यवहार करते हों। आप पूर्ण रूपेण अपनी संगिनी के प्रति समर्पित प्राणी हैं। यदि आपका संगिनी आपकी अभिरूचि के अनुरूप अथवा आशा के अनुकूल आचरण नहीं करती है तो दोनों के समक्ष संबंधित समस्याएं उत्पन्न हो जाती है। जब आप भी अपनी संगिनी को कुछ उपहार नहीं देते हो लेकिन सामंजस्य स्थापित करने के प्रति कार्यरत हो जाते हैं। आप अपने स्वाभावानुकूल उस व्यक्ति के साथ तारतम्य स्थापित कर सकेंगे, जिनकी राशि मिथुन हो अथवा कुंभ राशि में जन्म हुआ हो। आप यह निश्चित मान कर चले कि आपका मेल मीन मकर एवं कर्क राशि अर्थात् जलीय गुणयुक्त प्राणी से असंभव है।

आपका रंग रूप उत्तम एवं पूर्ण विकसित शरीर होगा। आप पूर्ण युवा शक्ति संपन्न होंगे। परिणामस्वरूप आपके मित्र संबंधित एवं व्यवसायिक मित्रों के मध्य प्रख्यात होंगे। आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप अपने व्यक्तित्व का प्रयोग कर अपनी अच्छी पहचान जन सामान्य की दृष्टि में बनाकर, लाभ प्राप्ति के क्षेत्र में उच्च स्तर प्राप्त करेंगे।

फलस्वरूप आप थोक धन की आय करेंगे तथा बहुतायत में खर्च भी करेंगे। आप यदा कदा बेतुकी बात करके आनन्द प्राप्त करेंगे। आपमें विभिन्न आकर्षक विद्यमान है। आप मुक्त हस्त से धन का व्यय करते हैं। आप सदैव सहृदयता पूर्वक धन का कुछ अंश व्यय करने के लिए उद्यत रहते हैं। आप किसी भी प्रकार की करूण कथा सुन कर यदा कदा किसी को भी मुक्त हस्त से आर्थिक सहयोग करते हैं।

कुछ व्यक्ति आपकी इस प्रकार की उदारतापूर्ण व्यवहार एवं भाव वृद्धि को अनुपयुक्त समझकर आपको अज्ञानी समझते हैं। अतः आप इस प्रकार की उदारतापूर्ण प्रवृत्ति के प्रति अपने विचारों को मेड़ने की शिक्षा ग्रहण करें।

सभी मिला जुलाकर आप बहुत अच्छे एवं सौम्य व्यक्ति हैं। परन्तु यदा-कदा किसी भी सुअवसर पर आप अपने धैर्य की अवनति कर सकते हैं तथा आप प्रतिशोध ले सकते हैं। आपको अपनी इस प्रवृत्ति पर भली प्रकार प्रतिरोध लगाना होगा। अन्यथा आपकी छवि पर कोई कलंक लग सकता है।

आप सौभाग्यवश शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं निरोग रहेंगे। आप अपनी

मध्यावस्था तक अपने शारीरिक वृद्धि की प्रवृत्ति के प्रत्ति विमुख रहें। उत्तम तो यह है कि आप अधिक भोजन पर अश्रित न रहें तथा भोजन पर नियंत्रण रखें। संप्रति आप किसी प्रकार के रोग से संक्रमित तथा अधीन हो सकते हैं। आप किडनी के रोग एवं मूत्र संबंधी रोग के प्रति सतर्क रहे। आपके लिए यह निर्देश है कि आप अपने घर पर अपने मित्रों के साथ कोई व्रण क्षत के शिकार हो सकते हैं। आपको इस बात के प्रति अनुभव अर्थात् पश्चात करना चाहिए कि बिना मित्र के सहयोग से आपके लिए दायित्व को पूरा करना सहज बात नहीं है।

आपके लिए सेवा व्यवसायों में उपयुक्त एवं प्रभावी कार्य सामाजिक जीवन का नेतृत्व अति अनुकूल प्रतीत होता है। आप गर्वनमेंट सेवक एवं अधिकारी के साथ लोक माध्यम का कार्य करें तो अच्छा है। यदि आप अनुमोदन करे तो आप स्वयं रासायनिक व्यवसाय तरल पदार्थों का व्यवसाय जैसे तेल-धृत आदि अथवा इसके अतिरिक्त आप विधिवेत्ता (वकील) अर्किटेक्ट विक्रय प्रतिनिधि, लेखक गायन वाद्य यंत्रवादक, पार्श्व गायक के साथ-साथ आप राजनीति से भी स्रोत स्थापित रख सकते हैं।

आपके लिए रंगों में उत्कृष्ट नारंगी एवं लाल रंग शुभकारक एवं भाग्यवर्द्धक है। आप पीला एवं हरे रंगों का त्याग कर दें।

आपके लिए अंको में 8 अंक उत्तम एवं धनोपार्जन अथवा धन निवेश हेतु अनुकूल है। साथ ही अंक 1, 2, 4 और 7 अंक सर्वथा अनुकूल है। परन्तु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए प्रतिकूल अंक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।